स्वदेशी फिल्म महोत्सव में जौहर की हुई स्क्रीनिंग, बजी तालियां

जासं, रांची : आइआइएम रांची और संवाद ने टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से आइआइएम परिसर में आयोजित स्वदेशी फिल्म महोत्सव के दूसरे दिन की शुरुआत निर्देशक, छायाकार और संपादक अभिजीत पात्रो द्वारा नृवंशविज्ञान वृत्तचित्र जौहर की स्क्रीनिंग के साथ हुई। स्क्रीनिंग के साथ ही पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सभी ने एक स्वर में फिल्म की जमकर प्रशंसा की।

यह फिल्म देश के राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, इटली के वाकापापा फिल्म महोत्सव सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों का हिस्सा रही है। हांगकांग के ग्लोबल यूनिवर्सिटी फिल्म अवार्ड्स ने फिल्म को पुरस्कृत किया। इसने भारत में संवाद राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार भी जीता। डाक्यूमेंट्री संथाल नामक एक जातीय समूह के बारे में बात करती है, जो देश के सबसे बड़े आदिवासी समुदायों में से एक है, लेकिन इसकी संस्कृति और परंपराओं के बारे में बहुत कुछ पता नहीं है। इसके बाद लेदम मार्डी द्वारा झारखंड में आदिवासी समुदायों और उनके जीवन के बारे में एक ज्ञानवर्द्धक और विस्मयकारी कहानी कहने का सत्र आयोजित किया गया। रांची स्थित संपादक निर्देशक पुरुषोतम कुमार की बंधा खेत की

आइआइएम व संवाद ने टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया था स्वदेशी फिल्म महोत्सव

आइआइएम रांची में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों को सम्मानित करते निदेशक।

भी प्रस्तुति दी गई। सीधे मार्गेज्ड फार्म में अनुवाद करते हुए इस फिल्म को प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में प्रदर्शित किया गया। जिसमें बैंगलुरु इंटरनेशनल शार्ट फिल्म फेस्टिवल 2021, इंटरनेशनल फोकलोर फिल्म फेस्टिवल 2022, एपीवीआइएफएफ-साउथ कोरिया 2022 और कोविड-19 इंटरनेशनल ट्राइबल फिल्म फेस्टिवल 2021 शामिल है। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन उन सभी निर्देशकों को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की। कार्यक्रम में शामिल सभी गणमान्य व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

Dainik Jagran_28.08.2023_Pg. 04